547

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

विषय : संस्कृत विषय कोड : यू.जी.एस.टी.

Subject : Sanskrit Subject Code : UGST

कोर्स शीर्षक : अभिज्ञान शाकुन्तलम् एवं नीतिशतकम् कोर्स कोड : यू.जी.एस.टी.-01

Course Code: UGST-01

Course Title :

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

1. अधोलिखित श्लोकों का हिन्दी में अनुवाद करें— 6

(क) नीवाराः शुकगर्भकोटरमुखभ्रष्टास्तरूणामधः
प्रस्निग्धाः क्वचिदिङ्गुन्दीफलभिदः सूच्यन्त एवोपलाः।
विश्वासोपगमादभिन्नगतयः शब्दं सहन्ते मृगा–
स्तोयाधारपथाश्च वल्कलशिखानिष्यन्दरेखाङ्किकिंताः।।

(ख) शुश्रूषस्व गुरून् कुरू प्रियसखीवृत्तिं सपत्नीजने
भर्त्तुर्विप्रकृताऽपि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।
भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येषवनुत्सेकिनी
यान्त्येवं गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः।।

2. अधोलिखित श्लोकों की संस्कृत में ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 6

(क) असंशयं क्षत्रपरिग्रहक्षमा यदार्यमस्यामभिलाषि मे मनः।
सतां हि सन्देहपदेषु वस्तुषु प्रमाणमन्तः करणप्रवृत्तयः।।

(ख) शमप्रधानेषु तपोधनेषु गूढ़ं हि दाहात्मकमस्ति तेजः।
स्पर्शानुकूला इव सूर्यकान्तास्तदन्यतेजोऽभिभवाद् वमन्ति।।

3. दूष्यन्त का चरित्र–चित्रण कीजिए। 6

खण्ड - ब

Section - B

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 Words. All Questions are compulsory.

4. नीतिशतक से विद्वत–पद्धति का कोई श्लोक लिखिए। 2

5. भतृहरि के जीवन-वृत्त एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 2

6. 'मूर्खस्य नास्त्यौषधम्'' की हिन्दी में व्याख्या कीजिए। 2

7. विद्या नाम नरस्य रूपमधिकं प्रच्छऽन्नगुप्तं धनं 2
विद्या भोगकरी यशः सुखकरी विद्या गुरूणां गुरूः।
विद्या बन्धुजनो विदेशगमने विद्या परा देवता।
विद्या राजसु पूज्यते न तु धनं विद्याविहीनः पशुः।।
—इस श्लोक का अनुवाद कीजिए।

8. नीतिशतक के आधार पर वाणी का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। 2

9. 'उपमा कालिदासस्य' पर प्रकाश डालिए। 2

———————

548

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : यू.जी.एस.टी.

Subject : Sanskrit — Subject Code : UGST

कोर्स शीर्षक : उत्तररामचरित तथा छन्दोलंकार — कोर्स कोड : यू.जी.एस.टी.-02

Course Code: UGST-02

Course Title :

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

1. निम्नलिखित श्लोकों का सप्रसंग हिन्दी अनुवाद कीजिए। 6

(क) अथेदं रक्षोभिः कनकहरिणच्छमविधिना,
तथा वृत्तं पापैवर्यथयति यथा क्षालितमपि।
जनस्थाने शून्ये विकलकरणैरार्य चरितै
रवि ग्रावा रोदित्यपि दलित वज्रस्य हृदयम्।।

(ख) वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसमादपि।
लोकोत्तराणां चेतांसि को नु विज्ञातुमर्हति।।

2. अधोलिखित श्लोक की संस्कृत व्याख्या सप्रसंग कीजिये। 6

सतां केनापि कार्येण, लोकस्याराधनं व्रतम्।
तत्प्रतीतं हि तातेन, मां च प्राणांश्च मुञ्चता।।

3. निम्नलिखित सूक्तियों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये। 6

(क) सतां सद्भिः संङ्गः कथमपि हि पुण्येन भवति।

(ख) भवति ननु लाभो हि रूदितम्।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. संस्कृत नाटकों की विशेषतायें संक्षेप में लिखिये। 2

2. महाकवि भवभूति का व्यक्तित्व एवं कृतित्व संक्षेप में लिखिये। 2

3. महाकवि कालिदास एवं भवभूति का तुलनात्मक वर्णन कीजिये। 2

4. यमक एवं श्लोक अलंकार मे भेद बताइये। 2

5. शिखरिणी द्वन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिये। 2

6. उत्तररामचरितम् नाटक के तृतीय अंक का कथासार लिखिये। 2

———————

549

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

विषय : संस्कृत — विषय कोड : यू.जी.एस.टी.

Subject : Sanskrit — Subject Code : UGST

कोर्स शीर्षक : वाणभट्कृत कादम्बरी–कथामुख तथा संस्कृत व्याकरण — कोर्स कोड : यू.जी.एस.टी.-03

Course Title : — Course Code: UGST-03

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

1. अधोलिखित गद्यखण्ड का संदर्भ प्रसंग सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिये साथ ही टिप्पणी भी लिखिए— 6

(क) यश्मिंश्च राजनि जितजगति पालयति महिं चित्रकर्मसु वर्णशंकराःरतेषु केशग्रहाः काव्येषु दृढ़बन्धाः, शास्त्रेषु चिन्ता, स्तप्नेषु विप्रलम्भाः त्रेषु कनकदण्डाः, ध्वजेषुप्रकम्पाः, गीतेषु रागविलसितानि, करिषु मदविकाराः, चापेषु गुणच्छेदाः, गवाक्षेषु जलमार्गाः, शशिकृपाणकंवचेषु कलंकाः रतिकलहेषु दूतप्रेषणानि, सार्पक्षेषु शून्यगृहाः न प्रजानामासन्। यस्य च परलोकादभयम्, अन्तःपरिका कुन्तलेषु भंगः, नुपुरेषुमुखरता, विवाहेषु करग्रहणम्, अनवरतमखाग्निधूमेनाश्रुपातः, तुरंगेषुकशाभिघातः मकरध्वजेषु चापध्वनिरभूत्।

अथवा

(ख) यत्र च दशरथवचनमनुपालयन्नुत्सृष्ट राज्यो दशवदनलक्ष्मीविभ्रम विरामोरामो महामुनिमगस्त्पमनुचरन्तह् सीतया लक्ष्मणोपरचित रुचि पर्णशाला पञ्चवट्यां कचित्काल सुखमुवास। चिरशून्येऽद्यापि यत्र शाखानिलीन निभृतपाण्डुकपोतपंक्त्यत्योऽमललग्नतापसाग्निहोम धूमराज्यइव लक्ष्यन्ते तरवः बलिकर्मकुसुमान्युद्धरन्तयाः सीतायाः करतलादिव संक्रान्तो यत्र रागः स्फुरति लवाकिसलयेषु।

2. अधोलिखित पद्यखण्ड की संदर्भ पसंगसहित संस्कृत में व्याख्या कीजिए साथ ही टिप्पणी भी लिखिए— 6

(क) कटुक्वणन्तो मलदायकाः खलास्तुदन्त्यलं बन्धनश्रृंखलाइव।

मनस्तुसाधुध्वनिभिः पदे पदे हरन्ति सन्तो मणिनूपुराइव।।

अथवा

(ख) हिरण्यगर्भो भुवनाण्डकादिव क्षपाकरः क्षीरमहार्णवादिव।

अभूत्सुपर्णो विनतोदरादिव द्विजन्मनामर्थपतिः पतिस्ततः।।

3. अधोलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए। 6

(क) कादम्बरी कथामुख में वर्णित शूद्रक के दरबार का वर्णन कीजिए।

(ख) महाकवि वाणभट् का समय निर्धारण करते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) संस्कृत गद्य साहित में कादम्बरी के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं दो की व्याख्या लिखिए— 2

(क) अकथितं च (ख) साधकतमं करणम्

(ग) ध्रुवमपायेऽपादानम् (घ) षष्ठी शेषे

5. निम्नलिखित रेखांकित पदों में से दो की सूत्रोल्लेख पूर्वक विभक्ति बताइए। 2

(क) ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति (ख) क्रोंशं कुटिला नदी।

(ग) हरये रोचते भक्तिः (घ) चर्मणि द्वीपिनं हन्ति।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो में विभक्ति सूत्रोल्लेखपूर्वक'' बताइए— 2

(क) सुधां क्षीरनिधि मथ्नाति (ख) कटे आस्ते

(ग) जटाभिस्तापसः (घ) अन्नस्य हेतोर्वसति।

7. निम्नलिखित सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 2

(क) षष्टी चानादरे अथवा (ख) यतश्च निर्धारणम्।

8. सही विकल्प को चुनिए— 2

(क) महाकवि बाण के पिता कौन थे?

(i) कुबेर (ii) चित्रभानु (iii) अर्थपति (iv) प्रजापति।

9. वैशम्पायन नामक तोते के पूर्वजन्म की कथा सर्वप्रथम किसने सुनाया है। 2

(i) हारीत (ii) जाबालि (iii) शूद्रक (iv) चाण्डाल कन्या।

———————

550

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

विषय : संस्कृत विषय कोड : यू.जी.एस.टी.

Subject : Sanskrit Subject Code : UGST

कोर्स शीर्षक : वैदिक मन्त्र, कठोपनिषद् तथा अनुवाद कोर्स कोड : यू.जी.एस.टी.-04

Course Code: UGST-04

Course Title :

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

1. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं दो मन्त्रों का व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 6

(क) भद्रं कर्णेभिः श्रणुमाम देवा

भद्रं पश्येमाक्षाभिर्यजत्राः।

स्थिरैरङ्गैस्तुष्टुवांसस्तनूभि

र्व्यशेम देवहितं मदायुः।।

(ख) पुरुष एवेदं सर्वं यद्भूतं यच्च भव्यम्।

उतामृतत्त्वस्येशानो यदन्नेनातिरोहति।।

(ग) अहं राष्ट्री सङ्गमनी वसूनां

चिकितुषी प्रथमा यज्ञियानाम्।

तां मा देवा व्यदधुः पुरुत्रा

भूरिस्थात्रां भूर्यावेशयन्तीम्।।

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं दो की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 6

(क) त्रिणाचिकेतस्त्रिभिरेत्य सन्धिं

त्रिकर्म कृत् तरति जन्ममृत्यू।

ब्रह्मजज्ञ देवमीड्यं विदित्वा

निचाय्येमां शान्तिमत्यन्तमेति।।

(ख) न वित्तेन तर्पणीमो मनुष्यो

लप्स्यामहे वित्तमद्राक्ष्म चेत्त्वा।

जीविष्यामो यावदीशिष्यसि त्वं

वरस्तु मे वरणीयः स एव।।

(ग) अविद्यायामन्तरे वर्तमानाः

स्वयं धीराः पण्डितम्मन्यमानाः।

द्रन्द्रम्यमाणाः परियन्ति मूढा

अन्थेनैव नीचमाना यथान्धाः।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 6

(क) 'निरूक्त' वेदाङ्ग के महत्त्व की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'शिवसंकल्प' सूक्त का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) कठोपनिषद् में नचिकेता द्वारा यम से मांगे गये वरों का उल्लेख कीजिए।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक	: 12
Maximum Marks : 12	

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. कठोपनिषद् का सामान्य परिचय दीजिए। 2

5. प्रातिशाख्यों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 2

6. संहिता का तात्पर्य बतलाते हुए इसकी संख्या पर प्रकाश डालिए। 2

7. कठोपनिषद् के महत्त्व पर संक्षेप में उल्लेख कीजिए। 2

8. अग्निसूक्त का प्रतिपाद्य विषय प्रस्तुत कीजिए। 2

9. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए— 2

(क) प्रयाग को तीर्थों का राजा कहा जाता है।

(ख) प्रयाग में उत्तर प्रदेश राज्य का उच्च न्यायालय स्थित है।

(ग) महात्मा सुख और दुःख दोनों स्थितियों में समभाव होते हैं।

(घ) ऐसी वाणी बोलना चाहिए जिससे किसी को भी कष्ट न हो।

(ङ) परिश्रम से कार्य की सिद्धि होती है।

(च) आलस्य मनुष्य का शत्रु ह।

इति

551

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

विषय	: संस्कृत	विषय कोड	: यू.जी.एस.टी.
Subject	: Sanskrit	Subject Code	: UGST
कोर्स शीर्षक इतिहास	: संस्कृत साहित्य का	कोर्स कोड	: यू.जी.एस.टी.-05
Course Title	:	Course Code	: UGST-05

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

1. रामायण तथा महाभारत के सांस्कृतिक महत्त्व पर प्रकाश डालिए। 6

2. 'भारवेरर्थगौरवम्' को सिद्ध कीजिए। 6

3. नैषधीयचरित के काव्य–सौन्दर्य को वर्णित कीजिए। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. कालिदास का काल निर्धारित कीजिए। 2

5. 'माधे सन्ति त्रयो गुणाः'–इस उक्ति को सिद्ध कीजिए। 2

6. नलचम्पू की कथा–वस्तु पर प्रकाश डालिए। 2

7. दण्डी के काव्य–सौष्ठव पर प्रकाश डालिए। 2

8. कथा तथा आख्यायिका में भेद स्पष्ट कीजिए। 2

9. कादम्बरी के आधार पर बाण की शैली स्पष्ट कीजिए। 2

———————

552

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

विषय : संस्कृत, निबन्ध, रचनानुवाद कौमुदी
Subject :

विषय कोड : यू.जी.एस.टी.
Subject Code : UGST

कोर्स शीर्षक : निबन्ध एवं व्याकरण
Course Title :

कोर्स कोड : यू.जी.एस.टी.-06
Course Code: UGST-06

अधिकतम अंक	: 30
Maximum Marks	: 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक	: 18
Maximum Marks	: 18

1. संस्कृत भाषायाः महत्त्वम् वैशिष्ट्यञ्च। 6

2. भगवान् श्रीकृष्णः। 6

3. सत्यमेव जयते नानृतम्। 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक	: 12
Maximum Marks	: 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. ह्रस्वदीर्घप्लुत संज्ञाओं का भेद स्पष्ट कीजिए। 2

5. संयोग संज्ञा का संस्कृत में लक्षण एवं उदाहरण लिखें। 2

6. यण् सन्धि का संस्कृत में लक्षण उदाहरण सहित स्पष्ट करें। 2

7. स्तोः श्चुना श्चुः सन्धि को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2

8. ऋन्नेभ्योङीप् सूत्र को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 2

9. ससजुषो रूः सूत्र को उदाहरण सहित लिखिये। 2

———————

553

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

विषय	: संस्कृत	विषय कोड	:	यू.जी.एस.टी.
Subject	:	Subject Code	:	UGST
कोर्स शीर्षक	: ईशावास्योपनिषद् एवं श्रीमद्भगवद्गीता	कोर्स कोड	:	यू.जी.एस.टी.-07
Course Title	:	Course Code	:	UGST-07

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

1. निम्नांकित किन्हीं दो मंत्रों की व्याकरणात्मक टिप्पणी सहित हिन्दी में व्याख्या कीजिए— 6

(क) असुर्या नाम ते लोका अन्धेन तमसाऽऽवृताः।
ताँस्ते प्रेत्याभिगच्छन्ति पे के चात्महनो जनाः।

(ख) यस्मिन् सर्वाणि भूतान्यात्मैवाभूद् विजानतः।
तत्र को मोहः कः शोक एकत्वमनुपश्यतः।।

(ग) हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम्।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्टये।।

2. निम्नांकित किन्हीं दो श्लोकों की ससन्दर्भ हिन्दी व्याख्या कीजिये— 6

(क) यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ।
समुदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते।।

(ख) जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च।
तस्मादपरिहार्येदर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि।।

(ग) नेहाभिक्रमनाशोऽस्ति प्रत्यवायो न विद्यते।
स्वल्पमप्यस्य धर्मस्य त्रायते महतो भयात्।।

3. निम्नांकित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये— 6

(क) ईशावास्योपनिषद् में वर्णित ज्ञान और कर्म के स्वरूप पर पकाश डालिये।

(ख) ईशावास्योपनिषद् में विद्या और अविद्यापकर रति के परिणाम पर प्रकाश डालिये।

(ग) श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के आधार पर आत्मा की अविनश्वरता का परिचय दीजिये।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. 'त्यक्तेन भुञ्जीथा' का व्यावहारिक आशय स्पष्ट कीजिये। 2

5. ईशावास्योपनिषद के अनुसार अन्तकाल में परमेश्वर की प्रार्थना का निरूपण कीजिये। 2

6. निम्नलिखित उपनिषदों में से किन्हीं दो उपनिषदों का संक्षिप्त परिचय दीजिये— 2

(क) ईशावास्योपनिषद् (ग) प्रश्नोपनिषद

(ख) कठोपनिषद् (घ) वृहदारण्यकोपनिषद्

7. श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय का सार संक्षेप प्रस्तुत कीजिए। 2

8. श्रीमद्भरगवद्गीता के द्वितीय अध्याय के अनुसार योग–क्षेम की पद्धति का परिचय दीजिए। 2

9. 'अशोच्यानन्वशोचस्त्वं प्रज्ञावादांश्च भाषसे' का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

———————

554

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

विषय	:	सस्कृत	विषय कोड	:	यू.जी.एस.टी.
Subject	:		Subject Code	:	UGST
कोर्स शीर्षक	:	काव्य एवं काव्यशास्त्र	कोर्स कोड	:	यू.जी.एस.टी.-08
Course Title	:		Course Code	:	UGST-08

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks : 30

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

1. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार मम्मट के काव्यलक्षणखण्डन वर्णन कीजिए। 6

2. व्याख्या कीजिए— 6

   सत्त्वोद्रेकादखण्डस्वप्रकाशानन्दचिन्मयः।

   वेद्यान्तरस्पर्शशून्यो ब्रह्मास्वादसहोदरः।।

3. निम्न पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 6

   स किंसखा साधु न शास्ति योऽधिपं

   हितान्न यः संश्रणुते स किंप्रभुः।

   सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं

   नृपेषुमात्येषु च सर्वसम्पदः।।

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. अधोलिखित पद्य का हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2

   व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं

   भवन्ति ते मायाविषु ये न मायिनः।

   प्रविश्य हि घ्नन्ति शठास्तथाविधान्

   असंवृताग्ङ्गान्निशिता इवेषवः।।

5. ''भेरवेरर्थगौरवम्'' प्रतिपादित कीजिए? 2

6. ''किरातार्जुनीयम्'' का महाकाव्यत्व सिद्ध करें? 2

7. साहित्यदर्पण के अनुसार लक्षणाशक्ति पर प्रकाश डालिए। 2

8. साहित्यदर्पण के अनुसार काव्यप्रयोजन लिखिए। 2

9. वाक्य का स्वरूप क्या है? 2

———————

555

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2014-2015**

स्नातक कला कार्यक्रम (बी०ए०)

Bachelor of Arts Programme (B.A.)

विषय	: संस्कृत	विषय कोड	: यू.जी.एस.टी.
Subject	:	Subject Code	: UGST
कोर्स शीर्षक	: भाषा विज्ञान	कोर्स कोड	: यू.जो.एस.टी.-09
Course Title	:	Course Code	: UGST-09

अधिकतम अंक : 20
Maximum Marks : 20

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड - 'अ'

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks : 18

1. विश्वभाषाओं के आकृतिमूलक वर्गीकरण से क्या अभिप्राय है? प्रस्तुत वर्गीकरण की सोद्धरण समीक्षा कीजिए? 6

2. अर्थपरिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालते हुए अर्थ विकास की समीक्षा कीजिए? 6

3. वैदिक संस्कृत तथा लौकिक संस्कृत की समानताओं एवं विषमताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए? 6

खण्ड - ब

अधिकतम अंक : 12
Maximum Marks : 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

4. भारतीय आर्यभाषा का महत्त्व बताइये? 2

5. पालि शब्द की व्युत्पत्ति तथा विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 2

6. प्राकृत से क्या अभिप्राय है? प्राकृत के प्रमुख भेदों के नाम लिखिए? 2

7. ध्वनि परिवर्तन के प्रमुख कारण बताइये? 2

8. वैदिक संस्कृत की प्रमुख ध्वनियों पर प्रकाश डालिए। 2

9. शौरसेनी प्राकृत की प्रमुख विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए? 2